निर्देशन का अर्थ Meaning of Guidance →

मानव इस संसार में ईश्वर की श्रेष्ठ कृति है क्योंकि उसके पास भाषा, बुद्धि, विवेक आदि अनेक गुण हैं। लेकिन वह अपना विकास केवल अपनी बुद्धि और विवेक द्वारा ही नहीं कर सकता। इसके लिए उसे दूसरे की सहायता लेनी पड़ती है। जब मानव विकास पथ पर अग्रसर होने के लिए दूसरे के अनुभव, बुद्धि और विवेक का सहारा लेता है तो दूसरे व्यक्ति के द्वारा इस प्रकार की गयी सहायता निर्देशन कहलाती है। निर्देशन अमूर्त संकल्पना है। निर्देशन वस्तुतः पथ प्रदर्शन है। जैसे कोई व्यक्ति चौराहे पर खड़ा है, वह चलना जानता है तथा यह भी जानता है कि इन चारों रास्तों में से कोई एक रास्ता उसके गन्तव्य तक जाता है। लेकिन, कौन सा, वह यह नहीं जानता तब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उसे गन्तव्य का रास्ता बताना निर्देशन है। वस्तुतः निर्देशन प्रक्रिया में निर्देशक किसी व्यक्ति के अन्दर ज्ञान का विकास नहीं करता अपितु उस व्यक्ति के अन्दर पहले से उपस्थित ज्ञान को एक सही मार्गदर्शन देकर उसे उसके लक्ष्य तक पहुँचाता है।

बिना निर्देशन के कोई भी समाज चल ही नहीं सकता। मानव जन्म से लेकर मृत्यु तक प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी न किसी से निर्देशन प्राप्त करता ही रहता। बाल्यकाल में ही माँ द्वारा बच्चे को उसका हाथ पकड़कर चलना सिखाना, बड़े होने पर उसे नैतिक कहानियाँ सुनाना तथा उसी के द्वारा अपने जीवन की दिशा निर्धारित करने के लिए प्रेरित करना भी तो एक प्रकार का निर्देशन ही है।

Notes

Phone

email

Scanned with CamScanner

निर्देशन की परिभाषायें Definitions of Guidance

चाइशोम के अनुसार → "निर्देशन एक ऐसी प्रक्रिया है। जिसका उद्देश्य व्यक्ति में निहित सजीव तथा क्रियात्मक शक्तियों का विकास करना, जिसकी सहायता से वह जीवन की समस्याओं को सुगमता तथा सरलतापूर्वक जीवन पर्यन्त हल करने योग्य बनाता है।"

स्मरी स्ट्रस → "निर्देशन सहायता प्रदान करने की एक ऐसी प्रवाहित प्रक्रिया है जो व्यक्तिगत या समाजिक दृष्टि से हितकारी क्षमताओं का विकास अधिकतम रूप से व्यक्ति में करती है।"

गुड के अनुसार — निर्देशन व्यक्ति के दृष्टिकोणों एवं उसके बाद के व्यवहार को प्रभावित करने के उद्देश से स्थापित गतिशील आपसी सम्बन्धों का एक प्रक्रम है।

Note — "निर्देशन वह प्रक्रिया है, जिसमें एक व्यक्ति अपनी बौद्धिक क्षमताओं का प्रयोग करते हुए दूसरे व्यक्ति को उस उन्नत पथ पर अग्रसर करता है जिसकी क्षमता उसमें पहले से ही विद्यमान है। किन्तु वह स्वविवेक से अपनी क्षमता को सही दिशा देने में असमर्थ है।"
जैसे → चिड़िया अपने बच्चे को उड़ने के लिए निर्देशन देती है।

02/2020

nday	–	3	10	17	24
sday	–	4	11	18	25
dnesday	–	5	12	19	26
rsday	–	6	13	20	27
ay	–	7	14	21	28
urday	1	8	15	22	29
day	2	9	16	23	–

JANUARY '20

Wk-02 Day 007-359 TUESDAY 07

NATURE of GUIDANCE

1. PROFESSIONAL Activity → पेशेवर गतिविधि / व्यवसायिक

निर्देशन एक व्यवसायिक क्रिया है। कोई सामान्य व्यक्ति निर्देशन नहीं दे सकता है। वह विषय विशेषज्ञ ही निर्देशन दे सकता है।

2. Client Centered → ग्राहक केंद्रित

जो समस्या से ग्रसित है।

3. Individual and group both → व्यक्तिगत और समूह दोनों

4. Developmental → विकासात्मक → प्रत्येक व्यक्ति को रुचि, योग्यता का ज्ञान नहीं होता है। तो उसे निर्देशन की आवश्यकता पड़ती है। जैसे, समायोजन, संवेगात्मक, विद्यालय, परिवार, समाज इत्यादि।

5. Preventive and therapeutic → निवारण और उपचारात्मक

निर्देशन किसी भी व्यक्ति को किसी समस्या पड़ने से बचाता है। ex (i) अगर कोई बालक गलत विषय का चुनाव कर लेता है तो उसे निर्देशन की आवश्यकता पड़ती है।
(ii) व्यवसाय का चुनाव करने में

6. Flexible → लचीलापन

निर्देशन लचीलापन होता है। बालक के रुचि योग्यता के अनुसार निर्देशन दिया जाता है।

Notes
Phone
Email
Website

Scanned with CamScanner